कार्यालयः— प्रधान मुख्य वन संरक्षक, झारखण्ड, राँची।

कार्यालय आदेशः—...178............ दिनांकः—.....9.10.15...........

विषयः— वनरोपण स्थलों एवं अन्य कार्यों के G.P.S. के सहायता से Polygon एवं Point के आधार पर अनुश्रवण, डाटा संग्रहण करने की प्रक्रिया निर्धारण के संबंध में।

विगत कुछ वर्षो से सूचना प्रोद्योगिक के साथ—साथ G.P.S. के आधार पर Satellite Imagary के माध्यम से वनों के प्रबन्धन, संरक्षण, सम्वर्धन एवं विकास के कार्यों का अनुश्रवण भारत सरकार के द्वारा भी किया जा रहा है। इस क्रम में भारत सरकार DSS (Decision Support System Software), FSI Website पर Launch किया गया है। जिसका Password सभी अधिकारियों को दिया जा चुका है। झारखण्ड राज्य के वन विभाग द्वारा भी इसी परिपेक्ष में छः G.I.S. Cell की स्थापना प्रत्येक परिक्षेत्र मुख्यालय में किया जा चुका है। G.I.S. Cell, वन संरक्षक, कार्य नियोजना के अधीन रखा गया है।

विकास से संबंधित विभाग को सभी प्रकार के कार्यों का पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण, G.P.S एवं Satellite imagery पर G.I.S के माध्यम से किया जाना अधिक कारगर होगा, इससे न केवल कार्यो में पारदर्शिता आएगी बल्कि वन विभाग द्वारा किए गए कार्यो को Citizen Centric या बनाया जा सकेगा।

अतएव इस कार्य को सम्पादन करने हेतु वन विभाग में निम्न प्रक्रिया का निर्धारण किया जाता है।

(क) प्रत्येक वनरोपण स्थल के साथ—साथ अन्य कार्यो पर अग्रिम कार्य प्रारम्भ करने के पूर्व या कार्य कराने के क्रम में सर्वे सीमांकन G.P.S. के माध्यम से Polygon/ Point Data तैयार कर लिया जाय। संबंधित वन प्रमण्डल पदाधिकारी का यह दायित्व होगा कि बिना Digital Mapping के किसी भी हालत में वन अग्रिम उपलब्ध न करावे।

(ख) वन प्रमण्डल पदाधिकारी का यह दायित्व होगा कि वन अग्रिम उपलब्ध कराने के पूर्व Polygon, Ployline, Point Data स्वयं Google earth/FIMS पर देख कर सुनिश्चित हो लें कि जिस स्थल पर कार्य प्रस्तावित किया जा रहा है, Polygon उसी स्थल का है एवं क्षेत्रफल सही है। कथित G.P.S. Data की एक—एक Soft copy वन संरक्षक एवं क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक को उपलब्ध करावे ताकि वन संरक्षक एवं क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक भी कार्य स्थलों का उपर्युक्ता एवं कार्य प्रगति पर समीक्षा कर ले।

(ग) सभी संबंधित क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक का यह दायित्व होगा कि अपने स्तर पर Data की समीक्षा के उपरांत उनके क्षेत्राधीन आने वाले G.I.S. Cell प्रभारी को उक्त डाटा को संग्रहण हेतु CD/DVD/Email के माध्यम से उपलब्ध कराएँगे। यह Data प्रमण्डलवार एवं योजनावार होना चाहिए। Email का माध्यम से Data भेजा जाय एवं उसकी प्रति रांची स्थित केन्द्रीय G.I.S. Cell को भी दी जाएं, जिससे Data एवं उसे भेजने का record कई कार्यालयों में digital रूप में रह सके।

(घ) यह भी प्रबंध किया जा रहा है कि विभागीय वेबसाईट पर Polygon upload करने हेतु व्यवस्था रहे। वन प्रमंडल पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेगें कि website पर वे स्वंय सभी सूचनाओं के साथ Polygon upload कर दें। वन प्रमंडल पदाधिकारी द्वारा upload करने के उपरांत संबंधित क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक/मुख्य वन संरक्षक/अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, इसे जांच कर verify करेगें एवं तब upload किया गया, Website के माध्यम से Google Earth/FIMS पर रखा जा सकेगा।

(ङ) विकास कार्यों का Data kmz या kml formate में होगा। यह Data Google Earth (Free Software) FIMS पर आसानी से देखा जा सकता है।

Kml/ kmz file में निम्न attributes का होना अत्यावश्यक होना चाहिएं। अतः वन प्रमंडल पदाधिकारी Data को निम्न formate में प्रत्येक कार्य का सूचनाएं दें।

प्रमंडलीय कार्यालयों से उपलब्ध कराये जाने वाले सूचनाः–

प्रपत्र

क0सं0	प्रमंडल का नाम	जिला का नाम	प्रक्षेत्र का नाम	परिसर का नाम	उप परिसर का नाम	योजना का नाम
1	2	3	4	5	6	7

योजना वर्ष–अग्रिम कार्य का वर्ष –समापन कार्य का वर्ष	विकास कार्यों का नाम	स्थल का नाम	थाना–थाना नं0	PF/RF का कुल रकवा (हे0)/ RSP की लम्बाई (कि0मी0 एवं पौधो की संख्या)/गैर वन भूमि का रकवा (हे0)	विकास कार्य क्षेत्र का प्लॉट नं0	विकास कार्य ग्रास रकवा (हे0)	विकास कार्य का नेट रकवा (हे0)
8	9	10	11	12	13	14	15

(च) सभी G.I.S. Cell प्राप्त डाटा का संधारण हेतु kml/ kmz file का .shp file में बदल कर प्राप्त Attribute तैयार करेंगे। साथ ही Village boundary के अन्दर कार्य क्षेत्र को दर्शाते हुए Digital Map तैयार कर संबंधित वनाधिकारी को A4/A0 size में Print out देंगे। वर्ष के अन्त में कार्य का Digital map A4 में तैयार कर वार्षिक प्रतिवेदन तैयार करेंगे। G.I.S. Cell जमशेदपुर, बोकारो, देवघर, हजारीबाग, पलामू प्राप्त सभी आँकड़े G.I.S. Cell राँची को संग्रहण हेतु email से भेजेंगे।

सभी वन संरक्षक, कार्य नियोजना का दायित्व होगा कि उनके अधीन स्थापित G.I.S Cell में सुचारू रूप से कार्य करेंगे।

इस कार्य से संबंधित Software JSAC/ envis center द्वारा तैयार किया जा रहा है तथा सभी डाटा को Software पर अपलोड वन प्रमण्डल/संबंधित क्षेत्र पदाधिकारी करेंगे। संबंधित क्षेत्रीय पदाधिकारियों को इसमें यदि किसी तरह की तकनीकि जानकारी प्राप्त करनी हो तो संबंधित envis center के प्रभारी श्री दिनेश कुमार, वन संरक्षक शोध प्रशिक्षण G.I.S. Cell के Software से सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं। आप अवगत है कि आप सभी का DSS का Password एवं Id उपलब्ध कराया जा चुका है। DSS पर झारखण्ड के वनों का digital map उपलब्ध है। DSS पर उपरोक्त slape file overlap कर सभी Parameters का जांच करने का सुविधा उपलब्ध है। अतः तद्नुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, कैम्पा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, विकास एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, FDA का यह दायित्व होगा कि संबंधित योजनाओं से संबंधित Polygon क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक के माध्यम से उपरोक्त Software के अतिरिक्त Green India Mission के Website एवं Green Portal Website पर भी upload करेंगे।

उपरोक्त निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये एवं ससमय अनुपालन इस कार्यालय को भेजा जाय।

09/x/15

प्रधान मुख्य वन संरक्षक,
झारखण्ड, राँची।

ज्ञापांक 31(W)5/2011— 3295 दिनांक 9.10.15

प्रतिलिपिः— सभी प्रधान मुख्य वन संरक्षक, झारखण्ड, रांची/सभी अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक/सभी मुख्य वन संरक्षक/सभी क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक/मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक पलामू व्याघ्र परियोजना एवं सभी वन संरक्षक/सभी वन प्रमंडल पदाधिकारी एवं वन क्षेत्र पदाधिकारी को Website के माध्यम से सूचनाएं एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

09/10/15

प्रधान मुख्य वन संरक्षक,
झारखण्ड, राँची।

ज्ञापांक 31(W)5/2011 - 3295 दिनांक 9.10.15

प्रतिलिपिः— प्रधान सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को सूचनार्थ प्रेषित।

09/10/15

प्रधान मुख्य वन संरक्षक,
झारखण्ड, राँची।

ज्ञापांक 31(W)5/2011— 3295 दिनांक 9.10.15

प्रतिलिपिः— Envis सेल को office order tab में upload उपलब्ध कराने हेतु सूचनार्थ प्रेषित।

09/10/15

प्रधान मुख्य वन संरक्षक,
झारखण्ड, राँची।